बी.एस.ओ.सी.–132

कला स्नातक
(बी.ए.जी)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2020 और जनवरी 2021 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एस.ओ.सी .-132
भारतीय समाजशास्त्र

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता है: i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक। आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 **अध्यापक जांच** सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करने होंगे, और 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 2 सत्रीय कार्य करने होंगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **बी.एस.ओ.सी.–132 भारतीय समाजशास्त्र** नामक कोर पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य सम्मिलित है जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। इस पुस्तिका में 3 सत्रीय कार्य हैं जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा मूल्यांकन में 30 प्रतिशत वेटेज है।

सत्रीय कार्य-I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य-III में संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न हैं। यह प्रश्न व्यक्तियों, लेखन, घटनाओं तथा अवधारणाओं एवं प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ के बारे में प्रासंगिक/सटीक जानकारी को संक्षेप में याद रखने के कौशल को उत्तम बनाने के लिए है।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन; कौशल में सुधार होगा; तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे।

सत्रीय कार्य जमा करना

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2020 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए	30 अप्रैल 2021	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2021 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए	31 अक्टूबर 2021	

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी अपने पास रखें। अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। आपको मिले अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्यों में दिये गये सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार देंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन** : प्रश्नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।

2) **गठन** : अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और विश्लेषण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्षों पर विशेष ध्यान दें।

सुनिश्चित करें कि आप के उत्तर :

(क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;

(ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों, और

(ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तरों से स्वयं संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम उत्तर साफ.साफ लिखें, जहाँ आवश्यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

शुभकामनाओं के साथ !!!

समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

बी.एस.ओ.सी–132 भारतीय समाजशास्त्र
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.एस.ओ.सी.–132
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी./
टी.एम.ए./2020.21

पूर्णांक : 100

यह सत्रीय कार्य तीन भागों में विभाजित है। आपको तीनों भागों के सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

सत्रीय कार्य –I

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

2x20=40

1. भारत में एकता और विविधता के तत्वों की विवेचना करें।

या

क्या आपको लगता है कि विभिन्न संस्कृतियों और जातियों की विविधता भारत की एकता को प्रभावित करती है? उदाहरण सहित अपने तर्क की व्याख्या करें।

2. सामाजिक परिवर्तन की संकल्पना को परिभाषित कीजिए तथा उन तौर–तरीकों का वर्णन करें जिनमें भारत परिवर्तित हो रहा है।

या

जनजाति से आप क्या समझते हैं? भारत में जनजातियों से जुड़े प्रमुख लक्षणों की विवेचना करें।

सत्रीय कार्य –II

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

3x10=30

3. जाति को परिभाषित करें। भारत में जाति के अध्ययन के प्रति क्रियात्मक दृष्टिकोण की व्याख्या करें।

या

सामाजिक स्तरीकरण को विशेष संदर्भ में व्याख्या करें।

4. क्या परिवार एक सार्वभौमिक सामाजिक संस्था है? विवेचना करें।

या

भारत में वैवाहिक पद्धति को संक्षेप में वर्णन करें।

5. क्या धर्म हमारी रोजमर्रा के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है? व्याख्या करें।

या

जातियता को परिभाषित करें और भारत में व्याप्त कुछ प्रमुख संजाति विषयक की विवेचना करें। 10

सत्रीय कार्य –III

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।
5x6=30

6. सामाजिक संस्था का क्या अर्थ है?
7. सामाजिक आंदोलन को परिभाषित करे और आदिवासी भारत में व्याप्त सामाजिक आंदोलन से जुड़े उदाहरण की व्याख्या करे।
8. ''दलित'' शब्द से क्या अभिप्रार्य है?
9. सांप्रदायिकता को उदाहरण सहित परिभाषित करें।
10. भारत की धर्म निरपेक्षता पश्चिम में पायी जाने वाली धर्मनिरपेक्षता से किस तरह भिन्न है?